



गुडगांव। मोरारी बापु को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुदर्शन साथ में हैं ब्र.कु. आशा।



विलें-पारले। आचार्य स्वामी परमानंद जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दीपा।



माउण्ट आबू। हिमाचल प्रदेश की कमेटी के माउण्ट आबू अवलोकन के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. ईशु दादी तथा अन्य।



दीव। 'विश्वशांति अलौकिक आनंद' मेले का उद्घाटन करने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं जिलाधिकारी किशन कुमार, एडीशनल कलेक्टर ठाकुरजी, दीव म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के प्रमुख हितेश भाई, यतीन कुगुगे, ब्र.कु. गीता एवं ब्र.कु. बीना तथा अन्य।



नोएडा। नये म्यूजिक सी.डी. 'साई का दिल' का लॉन्चिंग करते हुए ब्र.कु. उर्मिल साथ में हैं मारवाह स्टूडियो के संस्थापक संदीप शर्मा, डॉ. अवधेश शर्मा तथा अन्य।



ब्रह्मपुर। 'विश्व शांति दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोग का अभ्यास कराते हुए ब्र.कु. मंजु।

शिवरात्रि विशेषांक

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर घर-घर तक बाबा का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से ओम शांति मीडिया का 'महाशिवरात्रि' विशेषांक तैयार किया गया है। इसमें विशेष रूप से परमात्मा का दिव्य अवतरण कैसे होता है, परमात्मा के बारे में सर्वधर्म की मान्यता क्या है, परमात्मा कैसे सतयुगी दुनिया की स्थापना करते हैं, परमात्मा से हम वरदान कैसे प्राप्त कर सकते हैं, परमात्मा का सत्य परिचय क्या है, परमात्मा का इस सृष्टि पर अवतरित होने का समय कब है, इन सभी प्रश्नों का समाधान बहुत ही तर्कसंगत एवं आध्यात्मिक चित्रों द्वारा स्पष्ट किया गया है। जिससे कि इस आध्यात्मिक व दिव्य ज्ञान को लोगों को समझने में सुविधा हो। इसमें प्रकाशित सामग्री का उपयोग आप अपने प्रवचन, भाषण तथा न्यूज पेपर में संदेश देने के लिए कर सकते हैं।

बाबा ने हम सभी बच्चों को विशेष रूप से यह संदेश दिया है कि हमारे आस-पास का कोई भी व्यक्ति, कोई भी घर, कोई भी गांव, कोई भी शहर, कोई भी मोहल्ला ऐसा न बचे जिन्हें शिवरात्रि के अवसर पर यह संदेश न मिले।

अतः आप सभी दैवी भाई-बहनों से हमें यह आशा है कि इसमें प्रकाशित सामग्री को अपने यहां से प्रकाशित समाचार पत्र-पत्रिकाओं में डालवाकर भी परमात्मा का संदेश घर-घर तक पहुंचा सकते हैं। ताकि आपको कोई ये उलहना न दे कि भगवान इस धरा पर आया और हमें पता ही नहीं चला।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करे ओम शांति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, तलहटी, आबू रोड, राजस्थान - 307510। मोबाइल-09414154344 ईमेल:-mediabkm@gmail.com

वन गॉड वन वर्ल्ड फैमिली फिल्म

महाशिवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर सर्व आत्माओं को ईश्वरीय संदेश देने के लिए 'वन गॉड, वन फैमिली' 10 मिनट की हिन्दी व अंग्रेजी में विडियो फिल्म तैयार की गई है। इसे आप अपने स्थानीय केवल ऑपरेटर द्वारा टेलीविजन में चलावा सकते हैं तथा सिनेमाथरों, विभिन्न कंपनीज, मंदिर, अस्पताल में भी दिखा सकते हैं।

इस डी.वी.डी को प्राप्त करने के लिए SMS लिखकर BK DVD 56677 - पर भेजें।
m-9549991111

भाग्य बनाने की आधारशिला है 'इन्फॉर्मेशन

मान लो कि घर का कोई सदस्य रात में समय पर नहीं लौटा है तो हमारे किस प्रकार के थॉट्स चलने शुरू हो जाते हैं - कहीं एक्सीडेंट न हो गया हो, पता नहीं क्या हो गया, अगर उनको कुछ हो गया तो हमारा घर कैसे चलेगा, मेरे जीवन का क्या होगा, बच्चों को मैं कैसे संभालूंगी, बस इतनी सी ही देर में ही हमने इतने सारे निगेटिव थॉट्स क्रियेट कर लिए। अब वो घर पर आयेंगे तो हम उनका स्वागत कैसे करेंगे!! हमने इतनी देर में जो-जो थॉट्स क्रियेट किये वो सारा आचानक ही बाहर निकल आयेगा। उस समय हम यह समझ नहीं पाते हैं कि सामने वाला व्यक्ति भी कुछ ... परिस्थितियों से गुजरा है तभी तो वो लेट हुआ है। तुरंत उस समय हम दोनों के बीच क्या होगा? झगड़ा होगा। दिस इज द डेस्टिनी ऑफ माई इवनिंग। ये डेस्टिनी किसने क्रियेट की, हम कहते हैं कि वो लेट थे लेकिन नहीं, मैं जिस थॉट के साथ उनका इंतजार कर रही थी, यह झगड़ा उसी के कारण हुआ। अब अगर हम उनका इस थॉट के साथ इंतजार करते कि अभी तो थोड़ी देर में फोन आ ही जायेगा, पता चल जायेगा कि वो कहां हैं या फोन का सिंगल नहीं पकड़ रहा होगा, कहीं किसी जरूरी काम से रुक गये होंगे, जब वो व्यक्ति सामने पहुंचेगा तो हम उसके साथ कैसे मिलेंगे...? एकदम सामान्य तरीके से, झगड़ा नहीं करेंगे तो इससे एक अलग तरह का भाग्य बनता है।

हम सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले जो 'इन्फॉर्मेशन' लेते हैं उसका बहुत ही ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि भाग्य बनाने की आधारशिला ही है 'इन्फॉर्मेशन'। इसके लिए हम अपने पास कोई ऐसी साहित्य रखें जिसे हम रात को सोने से पहले और सुबह उठने के साथ पढ़ सके। जैसा कि ब्रह्माकुमारीज में हम परमात्मा के महावाक्य सुनते हैं। यह हर कोई तय कर सकता है कि वो क्या करना चाहता है। सुबह का 15 मिनट और रात को सोते समय कोई अच्छी साहित्य पढ़नी चाहिए जिससे कि हमारे थॉट्स स्वच्छ रह सके। रात को सोते समय या तो हम टी.वी. देखते हैं और अगर पढ़ते भी हैं तो वो अच्छे साहित्य नहीं होते हैं। और उस साहित्य को पढ़ने से हमारा मन बहुत ही उत्तेजित हो जाता है, फिर हम उसी तरह सो जाते हैं। शरीर तो सो गया लेकिन हमारा मन अभी भी सक्रिय है। फिर जब सुबह उठते हैं तो हमारी स्थिति कैसी होती है?

प्रश्न:- रात को जब सो रहे होते हैं तब क्या अवचेतन मन सक्रिय रहता है?
हाँ, क्योंकि उस समय चेतन मन सो जाता है। अगर आप किसी बात से परेशान हो, आपके चेतन मन में कोई थॉट चल रह है, तो आपको नींद नहीं आती है। और आप कहेंगे कि मैं सोने की कोशिश कर रहा हूँ लेकिन सो नहीं पा रहा हूँ। रात में कौन सो नहीं पाता है? जिसका चेतन मन शांत नहीं होता है। दिन की घटित वो सारी घटनायें या उसकी कोई परेशानी जो उसकी सोच के ऊपर हावी हो जाती है। मन में बार-बार उसी के थॉट आते रहते हैं। इस प्रकार के थॉट की स्पीड बहुत

तेज होती है और वो चेतन मन को शांत नहीं होने देती है। जिसके कारण व्यक्ति को रात में नींद नहीं आती है। तब वो कोई दवाई लेंगे चाहे वो नींद की गोली हो या कोई अन्य तरीका हो जिससे वो चेतन मन को शांत कर सके। अगर हम ये सब करने की बजाये सिर्फ कुछ अच्छा पढ़ें तो हमारे थॉट्स की क्वालिटी अपने-आप बदल जाती है और आपका मन धीरे-धीरे 'स्थिर' होने लगता है। ये आप सारे दिन में भी कर सकते हैं। कई बार हम खुद पॉजिटिव थॉट क्रियेट कर नहीं पाते हैं क्योंकि व्यर्थ संकल्पों की गति इतनी तेज होती है कि जैसे कोई बात मेरे मन में एकदम चलती ही जाती है। ऐसे समय में कोई भी अच्छी किताब खोलें और उसे पढ़ना शुरू कर दें इससे आपके 'व्यर्थ संकल्प' चलने बंद हो जायेंगे।

प्रश्न:- कई बार ऐसा होता है कि हम जो पढ़ रहे होते हैं और हमें कुछ भी याद नहीं रहता?

इसे आप जोर से और ध्यान से पढ़ें। यह उस समय काम करेगा जब आप पॉजिटिव थॉट्स क्रियेट नहीं कर पा रहे होंगे। हम सोचते हैं कि निगेटिव थॉट चल रहा है चलने दो। पढ़ा मैंने, समझ मैं नहीं आ रहा है, जोर से पढ़ो जैसे कि किसी और को पढ़कर सुना रहे हो। जब आप जोर से पढ़कर सुनाते हैं तो आपका पूरा ध्यान उसमें चला जाता है। कभी-कभी जब हम ऐसे ही पढ़ रहे होते हैं, तो मन कुछ और सोचने

शुशनुमा जीवन् जीवन् वी वल्ला
(अवेकनिंग विथ ब्रह्माकुमारीज से)



-ब्र.क.शिवानी

लगता है। जब जोर से पढ़ना शुरू कर देंगे तो वो थॉट बदल जाएगा। जब धीरे-धीरे इस तरह से आप अपने ऊपर प्रैक्टिस करते जायेंगे तो आपके थॉट्स परिवर्तित होते जायेंगे। हमें ये सोचकर थक नहीं जाना है कि ये तो होगा ही नहीं।

एक और चीज है जो हमारे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है और वो है बीते हुए समय का अनुभव। पिछली बार जब मैं आपसे मिली थी तो मुझे कैसा अनुभव हुआ! जैसे ही मैं आपको इस बार मिलती हूँ तो फिर से वो बीते हुए समय की स्मृति याद हो आती है। फिर उसी क्वालिटी के थॉट्स चलने शुरू हो जाते हैं। इसमें भी हम ये कर सकते हैं कि अगर हमारा कोई बीते हुए समय का कड़वा अनुभव है तो उसे हम थोड़ी देर बैठकर साफ कर दें, उस बात को अपने मन से निकाल दें। उस परिस्थिति को समझें, अपने आपको समझाएं ताकि मन में वो जो फाहल तैयार होती जा रही है वो दूसरे दृश्य पर प्रभाव न डाले। क्योंकि हम बहुत बार अपने पास्ट एक्सपीरियंस पर ब्लेम डाल देते हैं। क्या करूँ, मेरे साथ पहले भी इतनी बार ऐसा ही हुआ था। मुझे तो डर लगेगा ही ना! पिछली बार भी इन्होंने मेरे साथ ऐसा ही किया था। यदि मैं ऐसा हर बार कहती हूँ तो जब भी वो सोन मेरे सामने आयेगी तो मैं अपने आपको कैसा अनुभव करूँगी, जैसे कि मैं उस परिस्थिति का या उस परिदृश्य का शिकार हुई हूँ और मैं पीड़ित व्यक्ति जैसा अनुभव करूँगी।
..कमशा..